SHRI TARUN GOGOI: Sir, I am not aware of it.

MR. CHAIRMAN: You will look into it.

SHRI TARUN GOGOI: Yes, Sir It is our intention to procure. I have been impressing upon all the Chief Ministers to procure more and more paddy and rice.

श्री रामदास अग्रवाल : सभापति जी, आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह कहना चाहता हूं कि एक तरफ तो यह घोषणा की गई थी कि फूड कारपोरेशन के पास अनाज का बड़ा भंडार है और दूसरी ओर आज भी मंत्री महोदय ने बताया इसके पहले भी अखबारों में यह बात आ चुकी है कि हरेक स्टेट गवर्नमेंट को उन्होंने सूचित भी कर दिया है कि सितम्बर से लेकर दिसम्बर तक की जो सप्लाई है उसमें दस परसेंट की कटौती की गई है । मैं यह जानना चाहता हूं कि कटौती करते समय जहां पर अकाल है, अभाव है उनका ध्यान क्यों नहीं रखा गया ? क्या आपके पास अनाज की कमी है इसलिए आपने कटौती की है या केवल बाजार में फूड कारपोरेशन अपना प्रोक्योर किये अनाज को बेच सके और उस पर मुनाफा कमाकर अपना नुकसान पूरा कर सके इसलिए यह कटौती की है ? मैं यह जानना चाहता हूं कि आखिर जहां अभाव है, अकाल है वहां पर कटौती क्यों की गई ? और फूड कारपोरेशन को बाजार में माल बेचने की अनुमति क्यों दी जा रही है ? इन बातों का मैं मंत्री महोदय से स्पष्टीकरण चाहता हूं ।

SHRI TARUN GOGOI: As I have already stated, in view of the increased production, we have already increased the allocation. It is the normal practice. It has been going on for so many years. During the lean seasons we give more and during the harvest season, we do reduce it. But whenever there is a problem, we always take care, whether it is Rajasthan or any other State. We will increase it.

MR. CHAIRMAN: He asks when there is scarcity, why you cut it and whether you will restore it.

SHRI TARUN GOGOI: I will restore it. Whenever there is any problem, we will take care of it. We have already increased it to Rajasthan last month by 5000 tonnes.

SHRI P. UPENDRA: Sir, the Food Corporation suffers from the lack of adequate storage capaciy. Two or three years back, they had undertaken construction of a large number of godowns in various States. Would the Minister be kind enough to say how many godowns have been planned, how many of them have been completed by now and how many are pending. The next part of my question is whether the Food Corporation is meeting its obligation to supply the quantity of foodgrains required for the Public Distribution System in the various States, particularly in Andhra Pradesh where the 'two-rupee a Kg. scheme is in operation.

SHRI TARUN GOGOI: We have got a total capacity of 226 in the country. Out of that, covered capacity is 198; CAPS is 28.55. We have got a total of 226; stocked is 154;68 per cent. Of course, there are some places where there is shortage of capacity. Whenever there is a problem, we will take care of it.

Replacement of telephone exchanges in Gujarat

*423. SHRI RAJUBHAI A PARMAR: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) the number of old manual exchanges (M.S.T.D.) in Gujarat;

(b) the number of exchanges which the proposed to be changed from manual to automatic ones; in the near future; and

(c) by when all the manually-operated exchanges in Gujarat are likely to be replaced?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI P. V. RANGAYYA NAIDU): (a) The number of old manual exchanges in Gujarat is 113 as on 30-9-1991 out of which 16 manual exchanges have M.S.T.D. facility.

(b) and (c) The Department of Telecommunications has formulated draft 8th Five Year Plan and it is envisaged to automatize all manual exchanges in the country by March, 1994. It is proposed to automatize 35 manual exchanges during 1991-92 in Gujarat and the remaining exchanges in this State would be automatized progressively by March, 1994.

SHRI RAJUBHAI A. PARMAR: Sir, I want to know from the hon. Minister the names of those 35 manual exchanges proposed to be automatized during 1991-92 and the criteria for selecting only 35 exchanges and not all exchanges of Gujarat.

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI RAJESH PILOT): Mr. Chairman, Sir, I have got the names of those 35 manual exchanges with me and instead of reading out the names of those 35 exchanges here, I can directly supply that information to the hon. Member.

As far as the criteria is concerned, in the policy matter, we have decided that the electronic exchange is the demand of the time now and we have phase-wise planned the whole country's planning as to how to change over to the electronic exchange. That is why we are putting our main thrust and pressure on the production of switching equipment in this regard. We are very hopeful that by March 1994, we will be able to transfer the total technology to electronic exchanges.

SHRI RAJUBHAI A. PARMAR: Sir, I want to know from the hon. Minister how many automatic and electronic exchanges will be required to replace and automatize all manual exchanges of the country during the 8th Plan and what would be the extent of their availability in the country if imported.

SHRI RAJESH PILOT: Sir, if the hon. Member wants a complete details of how many manual exchanges we have in the country and how many automatic and electronic exchanges will be required to change over as I said, we have a phased plan in our planning policy to change over to electronic exchanges by 1994. I have clarified the second part of his question in my first answer itself that planning is to have thrust on the production. Till we have the production of switching equipment, we will not be able to fulfil the demand of the people. I have been often telling the House that we have a phased programme. By 1992 we have planned to have STD in all the districts of the nation. Every district headquarters of the country will be connected with STD by March, 1992. Then we plan to go to the block and also we have started connecting 100 Panchayats per day so that Panchayats get connected to the block, block to the district and ultimately a citizen sitting in the Panchayat Bhavan has an excess to the entire nation.

MR. CHAIRMAN: You are providing automatic etxchanges everywhere?

SHRI RAJESH PILOT: Yes, Sir.

SHRI CHHOTUBHAI PATEL: Sir, so far as the telephone department is concerned, it is working well.

हमारे यहां गुजरात में बलसाड डिस्ट्रिक्ट के क्रोसबार एक्सचेंज की बारबार अवधि बढ़ाई जा रही है और अभी जो लास्ट अवधि दी गई है वह 31 दिसम्बर, 1991 है जिसमें माननीय मंत्री जी आने वाले हैं। 31 दिसम्बर, 1991 को यह एम0एस0 टी०डी० से इलेक्ट्रोनिक एक्सचेंज में बदला जाएगा। नम्बर दो, मैं यह कहना चाहता हूं कि नौसारी सारे गुजरात में ही नहीं, सारे एशिया में सबसे बड़ा एम०एस०टी० डी० एक्सचेंज है और इसमें टेलीफोन मांगने वालों की बहुत लम्बी लाइन है और इस नौसारी ब्लाक में सबसे ज्यादा विदेशों में रहने वाले लोग हैं। वहां पर एम० एस० टी०डी० की सुविधा तो दी गई है, लेकिन फिर भी वह कामयाब नहीं हुई है।

इसलिए विदेशों में रहने वाले और देश की दूसरी सीटीज में रहने वालों से नौसारी से कांटेक्ट नहीं हो पाता है । मैं आपके माध्यम से मिनिस्टर साहब से कहना चाहूंगा कि मेरा यह जो पे कार्ड है, इसके जरिये यहां लाबी से अगर नवसारी जहां का एम०एस०टी०डी० नंबर है 0263722 और 0263712, ये लगाना चाहें तो नहीं लगता है । काफी दिक्कतें नवसारी को कांटेक्ट करने में होती हैं । अगर नवसारी टेलीफोन एक्सचेंज की अवधि बढ़ायी जा रही है तो उसको आप कब पूरा करेंगे ? इसकी जो कार्यक्षमता है, इसकी जो कैपेबिलिटी है वह कितनी बढ़ायी जाने वाली है और कब बढ़ायी जाने वाली है ?

श्री सभापति : मंत्री जी खुद जा रहे हैं यह भी पूछा था ?

श्री छोटूभाई पटेल : यह भी पूछा था ।

श्री राजेश पायलट : चेयरमैन सर, अगर विभाग ने 31 दिसंबर की तारीख दी है तो यह 31 तारीख ही रहेगी । तारीख विभाग द्वारा देने के बाद...

श्री सभापति : महीना या साल बदल सकता है ।

श्री राजेश पायलट : चेयरमैन सर, डिपार्टमेंट तारीख काम के लिये देता है इसमें कोई शादी या उत्सव की बात नहीं है ।

डा. बापू कालदाते : शादी की तारीख कभी बदलती नहीं ।

श्री राजेश पायलट : आजकल शादियों की भी तारीखें बदलती हैं ।

श्री सभापति : माथुर साहब से पूछिये ।

श्री राजेश पायलट : सर, जहां तक बलसार का सवाल है, जो भी तारीख तय है तो उस पर जरूर काम होगा । मैंने तारीख अगर जाने की दी होगी तो मैं जरूर पहुंचूंगा ।

श्री सभापति : सुन लीजिये, 31 दिसम्बर, 1991, जल्दी से वायदा मत करिये हाउस में ।

श्री राजेश पायलट : पर मैं यह भी कह रहा हूं कि अगर कहा होगा । इसके साथ यह भी कह रहा हूं कि अगर 31 दिसम्बर कहा होगा ।

श्री सभापति : अगर कहा होगा तो पूरा करेंगे ।

श्री राजेश पायलट : मैं यह नहीं कह रहा हूं कि मैं जरूर पूरा करूंगा ।

श्री छोटूभाई पटेल : मैंने नवसारी के बारे में पूछा था कि उसको आप कब पूरा करने जा रहे हैं ?

श्री राजेश पायलट : सेंकड पार्ट सर, जैसा कि माननीय सदस्य ने जानना चाहा जो ईटेनबी टेक्नालाजी है, उसकी हर जगह मांग हो रही है । हर एक एक्सचेंज में उसकी डिमांड बढ़ रही है । जहां 10 हजार लाइन से ऊपर है वहाँ ईटेनबी की प्रायरिटी पर बहुत ज्यादा मांग है । क्रास-बार एक्सचेंज को ज्यादा नहीं चाह रहे हैं । जहां-जहां हम कमिटेड हैं, मैं माननीय सदस्य को भरोसा दिलाना चाहता हूं कि जिस इलाके की बात हो रही है, हम उसको प्राथमिकता देने की कोशिश करेंगे ।

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे : सभापति महोदय, मैं मंत्री महोदय से यह कहना चाहूंगा कि हमारे देश की सारी सीमायें बहुत सेंसटिव हैं । गुजरात में भी सीमा पर, बार्डर पर कई जिले हैं । तो मैं जानना चाहूंगा कि जो क्राइटेरिया, जो नार्म्स आपने फिक्स किये हैं, इलेक्ट्रानिक एक्सचेंज के लिये उसमें गुजरात के कच्छ जिले को, जो कि बार्डर डिस्ट्रिक्ट है, आप प्राथमिकता देंगे ?

दूसरी बात मैं यह जानना चाहता हूं कि आपने जो 35 एक्सचेंज अभी यहां बतायें हैं, उसमें बार्डर डिस्ट्रिक्ट के भी एक्सजेंज लिये गये हैं या नहीं ? अगर

नहीं लिये गये हैं तो सीमा पर जो सेंसटिव एरियाज है उनको प्राथमिकता देकर जो आप 1994 में प्रोग्राम कर रहे हैं क्या उसको आगे ले जाना चाहते हैं ?

श्री राजेश पायलट : चेयरमैन सर, जैसा कि मैंने पहले ही कहा कि थ्रस्ट एरियाज में सेंसटिव, ट्राइबल, हिली और इंडस्ट्रियल ग्रोथ सेंटर्स, ये हमारी प्रायरिटी पर हैं । जहां तक माननीय सदस्य का सवाल है कि मैं उन 35 की लिस्ट आपको दे दूंगा । आप देख लीजिये कि वह इसमें है या नहीं ।

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे : वह बार्डर डिस्ट्रिक्ट है । आप लिस्ट को पढ़ लीजिए ।

SHRI RAJESH PILOT: Sir, I can read out the names of 35 exchanges if the hon. Member so desires.

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे : वह क्यों नहीं दे रहे हैं ।

MR. CHAIRMAN: He says that you have not done anything for that border district.

SHRI RAJESH PILOT: Sir, I have got the list of 35 exchanges. Sir, it is he who has to see whether it is in that border area or not.

MR. CHAIRMAN: Do you not know the district?

SHRI RAJESH PILOT: Sir, I don't know the district. I know the exchange. I have got the names of 35 exchanges, district-wise, I can read out... (*Interruptions*)...

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे : आप वह बता दीजिये ।

MR. CHAIRMAN: Why do you want him to read out the names of all the 35 districts?

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे : कच्छ डिस्ट्रिक्ट जो है वह पूरा बार्डर पर है ।

श्री सभापति : वह तो ठीक है लेकिन मंत्री जी को यह नही मालूम कि कौन सा एक्सचेंज किस डिस्ट्रिक्ट में है । उनके पास 35 जगहों के नाम हैं जहां एक्सचेंज खुल रहे हैं । डिस्ट्रिक्ट का नाम नहीं है । वह 35 नाम वे आप तक पहुंचा देंगे, देख लीजियेगा ।

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे : सभापति महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि मंत्री महोदय ने जवाब दिया है कि हमने बार्डर एरियाज को प्राथमिकता दी है लेकिन इसमें एक भी नाम नहीं है कच्छ डिस्ट्रिक्ट का । मैं इसलिये कहना चाहता हूं कि . . .

श्री राजेश पायलट : चेयरमैन सर, मैंने अभी कहा है, माननीय सदस्य अच्छी तरह से सुन लें कि सेंसटिव बार्डर एरियाज थ्रस्ट एरियाज में इन्क्लूडेड है । जो 35 एक्सचेंज आटोमाइज हुए हैं, उनके नाम मेरे पास हैं । अब वह उस एरिया में आता है या नहीं यह आप मुझे बता पायेंगे । ये एक्सचेंज जिले के साथ नहीं हैं । अगर हाउस चाहे तो मैं वह इन्फर्मेशन दे सकता हूं ।

SHRIMATI VEENA VERMA: May I know from the hon. Minister, since our telephone infrastruture is going to have the latest technology, whether we should have, instead of going through the several intermediate steps of upgradation, the ultimate telecommunication solution via fibre-optics which, I believe, the Western world is having presently? May I know from the hon. Minister whether the Eighth Plan has any provision for introducing the fibre-optics equipment in our telecommunication network?

MR. CHAIRMAN: The question is about exchanges, not of transmission.

SHRI RAJESH PILOT: No problem, Sir. I can. . .

MR. CHAIRMAN: The question doesn't arise You know that. The question is about exchanges. She is asking about transmission.

SHRI RAJESH PILOT: Mr. Chairman, if you permit me, I will ....

MR. CHAIRMAN: If both of you decide then you can take the whole time of the House. Question No. 424.

424. [*The questioner (Shri Suresh Kalmadi) was absent for answer* vide *col* 32 infra]

*425. [*The questioners (Shri Ranjit Singh and Shri Ravi Jethmalani) were absent. For answer* vide *col.* 33 infra]

Indian Telecommunication Technology to Bangladesh

*426. SHRIMATI VEENA VERMA:† SHRIMATI BASANTI SARMA:

Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have offered telecommunication technology to Bangladesh to upgrade the telecom system in that country; and

(b) if so, what are the detials in this regard?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI RAJESH PILOT): (a) No, Sir, there was no such proposal for sharing telecommunication technology.

(b) Does not arise in view of answer to (a) above.

SHRIMATI VEENA VERMA: Sir, I am surprised at the answer because reliable reports say that an offer was made at the Sixth Indo-Bangla Telecommunication Operational Co-ordination Committee held in New Delhi. It was inaugurated by Shri G. T. Narayanan, Adviser (Operations) in the Telecommunication Commission. I would like to know whether this report is correct. I would like to know what was the subject that was discussed at this meeting and whether the subject of co-operation in telecommunication field was discussed between the two countries.

SHRI RAJESH PILOT: Mr. Chairman, Sir, what the hon. Member is saying is a fact that this meeting did take place. But there was no offer from our side for technology transfer. Neither technology transfer nor any such thing was discussed. We discussed about something like telephone instruments because we are producing more than the requirement of our country. Some of those things were discussed if that country could buy telephone instruments, road traffic signals, ECV plants, etc. These are not really concerned with technology transfer or technology offer. These are some things which are available with us and whether they can buy some telephone instruments from us, such a discussion took place and not technology transfer.

श्रीमती वीणा वर्मा : कुछ दिन पहले एक कमेटी, अर्थेया कमेटी सेट अप की गय थी । यदि हां, तो क्या दूसरे देशों को कम्युनिकेशन असिस्टेंस देने के बारे में कोई रिकमंडेशन दी गयी है, यदि हां तो वे रिकमंडेशन क्या हैं ?

श्री राजेश पायलट : यह वास्तविकता है कि अर्थेया कमेटी बैठायी गयी थी । उन्होंने रिकमंडेशन भी दी है । सरकार उस पर विचार कर रही है ।

SHRI KAPIL VERMA: At present there is an Indo-Bangla micro-wave link. I would like to know whether the Government is considering any proposal to upgrade it into a digital system.

SHRI RAJESH PILOT: Sir, I require a separate notice for full details on this particular project.

SHRI KAPIL VERMA: I would like to know whether the Government is considering it or not.

†The question was actually asked on the floor of the House by Shrimati Veena Verma.